



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 218]

नई दिल्ली, मंगलवार, मई 17, 1983/वैशाख 27, 1905

No. 218]

NEW DELHI, TUESDAY, MAY 17, 1983/VAISAKHA 27, 1905

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation

उद्योग मंत्रालय  
(औद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 17 मई, 1983,

का० आ० 360 (अ)/18क/आई डी अर ए/83:-भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का० आ० 325 (अ) तारीख 18 मई, 1978 द्वारा (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) बंगाल इम्युनिटी कम्पनी लिमिटेड कक्षाकृता (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त औद्योगिक उपक्रम कहा गया है) नामक सम्पूर्ण औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18क के अधीन उक्त आदेश में प्रबन्ध बोर्ड के रूप में निर्दिष्ट व्यक्ति निकाय द्वारा 17 मई 1980 तक जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है दो वर्ष की अवधि के लिए ग्रहण कर लिया गया था,

और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० 324 (अ) तारीख 17 मई, 1980 द्वारा उक्त आदेश की अवधि, 17 मई, 1982 तक जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है कि अवधि के लिए बढ़ा दी गई थी,

और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग), के आदेश सं० 327 (अ), तारीख 17 मई, 1982 तथा आदेश सं० 812 (अ) तारीख 17 नवम्बर, 1982 द्वारा उक्त आदेश की अवधि 17 मई, 1983 तक की जिसमें ये तारीख भी सम्मिलित हैं, और अवधि के लिए बढ़ा दी गई थी,

204 GI/83

और केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोकहित में यह समीचीन है कि उक्त औद्योगिक उपक्रम का उक्त प्रबन्ध बोर्ड द्वारा प्रबन्ध, छह मास की और अवधि के लिए बना रहता चाहिए;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, (1951 का 65) की धारा 18क की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निदेश देती है कि उक्त आदेश 17 नवम्बर, 1983 तक की, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, और अवधि के लिए प्रभावी बना रहेगा।

[फा० सं० 4 (1)/77-सी यू एस]

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 17th May, 1983

S.O. 360(E)/18A/IDRA/83.—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development), No. S.O. 325(E), dated the 18th May, 1978 (hereinafter referred to as the said Order), the management of the whole of the industrial undertaking known as Bengal Immunity Company Limited, Calcutta, (hereinafter referred to as the said industrial undertaking) was taken over by a body of persons referred to in the said Order as the Board of Management, under Section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), for a period of two years upto and inclusive of the 17th May, 1980;

And, whereas, by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 324 (E), dated the 17th May, 1980 duration of the said Order was extended for a period upto and inclusive of the 17th May, 1982 ;

And, whereas, by the Orders of the Government of India, Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 327 (E), dated 17th May, 1982 and No. S.O. 812 (E), dated 17th November, 1982, the duration of the said Order was extended for further periods upto and inclusive of the 17th May, 1983;

And, whereas, the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the management of the said industrial undertaking by the said Board of Management should continue for the further period of six months ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-Section (2) of Section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said Order shall continue to have effect for a further period upto and inclusive of the 17th November, 1983.

[File No. 4(1)/77-CUS]

का० आ० 361 (अ)/18-वर्ष/आई डी आर ए/83 :—केन्द्रीय सरकार ने, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 बख की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का० आ 354 (अ) तारीख 25 मई, 1978 द्वारा (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त आदेश कहा गया है) घोषित किया था कि 25 मई, 1978 से ठीक पूर्व प्रवृत्त ऐसी सभी सविदाओं, सम्पत्ति हस्तांतरण पत्रों, करारों, व्यवस्थापनों, पंचाटों, स्थायी आदेशों या अन्य लिखतों का प्रवर्तन, जिनका बंगाल इस्पात कंपनी लिमिटेड, कलकत्ता नामक औद्योगिक उपक्रम या ऐसे उपक्रम का स्वामित्व रखने वाली कंपनी पक्षकार है या जो उक्त औद्योगिक उपक्रम या कंपनी को लागू हों, 18 मई, 1979 तक निलंबित रहेगा और उक्त तारीख से पूर्व उसके अधीन प्रोद्भूत या उद्भूत सभी अधिकार, विशेषाधिकार, बाध्यताएं और दायित्व उक्त अवधि तक निलम्बित रहेंगे ।

और उक्त आदेश की अवधि 17 मई, 1983 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, समय-समय पर बढ़ा दी गई थी; और केन्द्रीय सरकार

का समाधान हो गया है कि उक्त आदेश की अवधि छह मास की और अवधि के लिए बढ़ा दी जानी चाहिए;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 बख की उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त आदेश की अवधि, 17 नवंबर, 1983 तक की, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, और अवधि के लिए बढ़ाती है ।

[का० सं० 4(1)/77-सी यू एस]  
आर० एन० चोपड़ा, अतिरिक्त सचिव

S.O. 361(E)/18FB/IDRA/83.—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 354 (E), dated the 25th May, 1978 (hereinafter referred to as said Order), the Central Government in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), declared that the operation of all contracts, assurances of property, agreements, settlements awards, standing orders or other instruments in force immediately before the 25th May, 1978 to which the industrial undertaking known as the Bengal Immunity Company Limited, Calcutta or the company owing such undertaking is a party or which may be applicable to the said industrial undertaking or company, shall remain suspended upto the 18th May, 1979 and that all rights, privileges, obligations and liabilities accruing or arising thereunder, before the said date shall remain suspended for the said period ;

And, whertas, the duration of the said Order was extended from time to time and inclusive of the 17th May, 1983;

And, whereas, the Central Government is satisfied that the duration of the said Order should be extended for a further period of six months ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) read with sub-section (2) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extends the duration of the said Order for a further period upto and inclusive of the 17th November, 1983.

[F. No. 4 (1)/77-CUS]

R. N. CHOPRA, Addl. Secy.